

9/12/19 M

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3108

JC

Unique Paper Code : 12277505

Name of the Paper : Political Economy – I

Name of the Course : B.A. (Hons.) Economics  
(CBCS) DSE

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **one** question from Section A and any **three** questions from Section B.
3. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. भाग ए में से किसी एक प्रश्न और भाग बी में से किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दें।
3. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

**Section A (15 marks each) – Answer any one.**

भाग ए (15 अंक प्रत्येक) – किसी एक का उत्तर दें।

1. Analyse how the contemporary world of globalised finance is different from that in the conceptualisation that Lenin made in his book "Imperialism". Does this make Lenin's theory irrelevant to the analysis of contemporary capitalism and the world economy?

विश्लेषण करें कि लेनिन ने अपनी पुस्तक "साम्राज्यवाद" में किए गए वैचारिककरण से वैश्वीकृत वित्त की समकालीन दुनिया कैसे अलग है। क्या यह लेनिन के सिद्धांत को समकालीन पूंजीवाद और विश्व अर्थव्यवस्था के विश्लेषण के लिए अप्रासंगिक बनाता है?

2. Explain the justification of 'restrictive practices' and 'price rigidities' in Schumpeter's analysis of large firm behaviour. Do these promote economic inefficiency?

बड़े फर्म के व्यवहार के शुमपीटर के विश्लेषण में 'प्रतिबंधक प्रथाओं' और 'मूल्य कठोरता' के औचित्य की व्याख्या करें। क्या ये आर्थिक अक्षमता को बढ़ावा देते हैं?

3. Do you think that in Marx's understanding of a social system, the relationship between the economic and non-economic domains can be analysed in a unidirectional manner, in which the former determines the latter. Discuss.

क्या आपको लगता है कि मार्क्स की सामाजिक प्रणाली की समझ में, आर्थिक और गैर-आर्थिक क्षेत्रों के बीच संबंधों का एकतरफा विश्लेषण किया जा सकता है, जिसमें पहला दूसरे को निर्धारित करता है। चर्चा करें।

**Section B (20 marks each) – Answer any three.**

भाग बी (प्रत्येक 20 अंक) – किन्हीं तीन का उत्तर दें।

4. Explain how "technical progress" is crucial in Marx's analysis of capitalism in (a) the internal logic of its regular functioning and (b) in the context of various capitalist crises, as both a cause and a solution to different types of crises.



व्याख्या करें कि किस प्रकार (ए) अपने नियमित कार्यकलाप के आंतरिक तर्क में और (बी) विभिन्न पूंजीवादी संकटों के संदर्भ में, मार्क्स के पूंजीवाद के विश्लेषण में “तकनीकी प्रगति” निर्णायक है उसके कारणों तथा विभिन्न प्रकार के संकटों के समाधान के रूप में।

5. Deduce the relationship of the rate of profit with the rate of surplus value and the organic composition of capital. Elaborate on the working out of this relationship and explain how this forms a basis for crisis under capitalism.

अधिशेष मूल्य की दर और पूंजी की आंतरिक संरचना के साथ लाभ की दर के संबंध की चर्चा करें। इस संबंध के प्रचालन को विस्तार से बताएं और समझाएं कि पूंजीवाद के तहत संकट का यह किस तरह आधार बनता है।

6. “The rate and direction of economic development in a country at a given time depend on both the size and mode of utilisation of the economic surplus.” Elucidate this statement of Paul Baran and analyse his evaluation of monopoly capitalism using such a framework.

“किसी भी देश के किसी भी समय में आर्थिक विकास की दर और उसकी दिशा निर्भर करती है आर्थिक अधिशेष के आकार और उसके उपयोग दिशा पर।” पॉल बरान के इस बयान को स्पष्ट करें और इस तरह के ढांचे का उपयोग कर एकाधिकार पूंजीवाद के मूल्यांकन का विश्लेषण करें।

7. Explain Kalecki's analysis of business leaders' opposition to maintenance of full employment in capitalist democracies. How was such an opposition overcome in the Nazi regime in Germany?

पूंजीवादी लोकतंत्र में पूर्ण रोजगार को बनाए रखने से व्यापार नेताओं के विरोध के कलेच्की के विश्लेषण की व्याख्या करें। जर्मनी के नाज़ी शासन में इस तरह के विपक्ष पर कैसे काबू पाया गया?

8. Provide a Marxist framework to analyse the crisis in global capitalism that broke out in 2008. How does such a framework essentially differ from a Keynesian one?

2008 में शुरू होने वाले वैश्विक पूंजीवाद में संकट का विश्लेषण करने के लिए एक मार्क्सवादी ढांचा प्रदान करें। इस तरह का ढांचा अनिवार्य रूप से कीन्ज़ के विश्लेषण से किस तरह भिन्न होता है?

9. In what ways does Irfan Habib differ from the standard analysis of the emergence of capitalism? In that context explain how colonialism created the ideal conditions for the emergence of capitalism in Western Europe.

इरफान हबीब किस तरह पूंजीवाद के उद्भव के मानक विश्लेषण से असहमत हैं ? इस संदर्भ में बताएं कि कैसे औपनिवेशवाद ने पश्चिमी यूरोप में पूंजीवाद के उभरने के लिए आदर्श स्थितियां बनाईं ।

10. "It is therefore a profound mistake to conceive of capitalism as being in essence a 'private' economic system" (Robert Heilbroner). Explain this statement with an elucidation of the role of state in the capitalist system.

"इसलिए पूंजीवाद की दर असल एक 'निजी आर्थिक प्रणाली' के रूप में कल्पना करना एक गहरी गलती है" (रॉबर्ट हेइलब्रोनर) । पूंजीवादी व्यवस्था में राज्य की भूमिका को स्पष्ट करें और इस कथन की व्याख्या करें ।